उन्मुखीकरण कार्यक्रम
सत्र 2017-18

16 नईदुनिया
रायपुर, सोमवार 21 अगस्त 2017
महासमुंद

पीजी कॉलेज में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम

सकारात्मक सोच के साथ निरंत आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

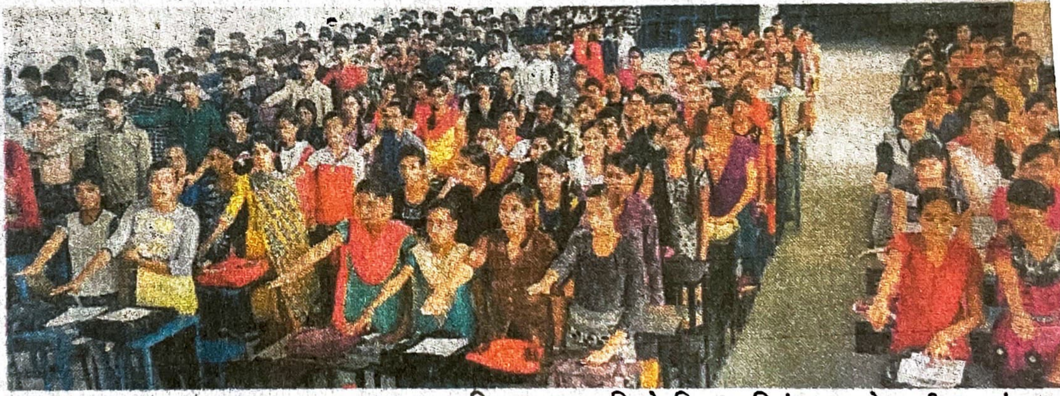

बीएससी प्रथम वर्ष के नियमित विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों के प्राध्यापक, महाविद्यालय में संचालित कोर्स, अनुशासन, नियम आदि की जानकारी देने के लिए शासकीय एमवीपीजी कॉलेज महासमुंद में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. एके खरे थे। उन्होंने मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्राचार्य डॉ. खरे ने नव-प्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए व्यक्तित्व के सर्वागीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में सहभागिता देने की प्रेरणा दी। प्राचार्य द्वारा सभी उपस्थित विद्यार्थियों, विज्ञान के सभी स्टॉफ को नए भारत निर्माण का संकल्प भी कराया गया। कार्यक्रम संयोजक विज्ञान संकाय प्रभारी प्रो. करुणा दुबे ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय

बीएससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थी हुए शामिल

में संचालित कोर्स, उपलब्ध सुविधाएं, आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा, अनुशासन समिति एंटी रैगिंग समिति की जानकारियों से अवगत कराया। अनुशासन में रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ निरंतर अध्ययनरत रहकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. मनीराम धीवर विभागाध्यक्ष भौतिक विभाग ने अपना परिचय एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि सफलता प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत तो आवश्यक है ही, लेकिन अहंकार का त्याग भी जरूरी है। प्रो. लोकेश सतपथी विभागाध्यक्ष गणित विभाग ने छात्रों को स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण के महत्व तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि हर सफलता की पृष्ठभूमि में कठिन तप छिपा रहता है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को डॉ. ए करीम, डॉ. रविंद्र मिश्रा, डॉ. मालती तिवारी, डॉ. दुर्गावती भारती ने भी संबोधित किया। अतिथि प्राध्यापक प्रियंका सोनवानी, कंवलजी कौर छाबड़ा, बबिता प्रधान जीवन लाल पटेल, "प्रयोगशाल तकनीशियन डुलेश्वर ठाकु प्रयोगशाला परिचारक शश दानी आदि ने भी अपना परिचय हुए विद्यार्थियों को उज्वल भवि निर्माण करने के लिए प्रे किया। कार्यक्रम में नव-प्रवे विद्यार्थी देवेंद्र साहू, सूरज कु जांगड़े, लखन यादव, टीकम साहू, कल्याणी यादव, योगिता स प्रकाश मणी साहू ने विचार व किया। कार्यक्रम का संचालन लोकेश सतपथी ने किया।

हरिभूमि

विज्ञान संकाय के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम

महासमुंद। पीजी कॉलेज में नवप्रवेशित बीएससी प्रथम वर्ष के नियमित विद्यार्थियों को प्राध्यापकों ने ओरिएंटेशन प्रोग्राम के तहत कोर्स, अनुशासन नियम आदि की जानकारी दी। डॉ एके खरे ने व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में सहभागिता देने की प्रेरणा दी। प्राचार्य द्वारा सभी उपस्थित विद्यार्थियों,विज्ञान के समस्त स्टॉफ को नये भारत निर्माण का संकल्प भी कराया गया। विज्ञान संकाय प्रभारी प्रो करूणा दुबे ने कोर्स, उपलब्ध सुविधाएं, आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा,अनुशासन समिति, एंटी रैगिंग समिति की जानकारी दी। अनुशासन में रहते हुये सकारात्मक सोच के साथ निरंतर अध्ययनरत रह कर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। प्रो मनीराम धीवर विभागाध्यक्ष भौतिक ने अपना परिचय एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुये कहा कि सफलता प्राप्ति के लिये कड़ी मेहनत तो आवश्यक है ही, लेकिन अहंकार का त्याग भी जरूरी है। प्रो लोकेश सतपथी विभागाध्यक्ष गणित ने स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण के महत्व तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुये कहा कि हर सफलता की पृष्ठभूमि में कठिन तप छिपा रहता है। डॉ ए करीम, डॉ रवींद्र मिश्रा, डॉ मालती तिवारी,डॉ दुर्गावती भारती, अतिथि प्राध्यापक प्रियंका सोनवानी, कंवलजीत कौर छाबड़ा, बबीता प्रधान, जीवन लाल पटेल, प्रयोगशाला तकनीशियन डुलेश्वर ठाकुर, प्रयोगशाला परिचारक शशांक दानी आदि ने भी अपना परिचय बताते हुये विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम
सत्र 2019-20
04.09.2019

विज्ञान का अर्थ होता है विशिष्ट ज्ञान : डॉ पाण्डेय

विज्ञान संकाय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में विगत दिनों विज्ञान संकाय द्वारा बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों व प्रयोगशाला कर्मचारियों का छात्र-छात्राओ से परिचय कराना एवं महाविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रम व सुविधाओं की जानकारी देना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के नवनियुक्त प्राचार्य डॉ ज्योति पाण्डेय द्वारा विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की गई। महाविद्यालय प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान का अर्थ विशिष्ट ज्ञान होता है। सभी विषयों का महत्व समान है। हमें उसी विषय का चयन करना चाहिए, जिसमें रूचि हो।

इस कार्यक्रम में वरिष्ट प्राध्यापक डॉ जया ठाकुर ने बच्चों को सफलता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की संयोजक व विज्ञान संकाय प्रभारी प्रोफेसर करूणा दुबे ने कहा कि विद्यार्थी जीवन, जीवन निर्माण का समय है। वनस्पतिशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ ईपी चेलक ने प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को ग्रुप डिस्कर्शनन के बारे में विस्तार से बताँया। भौतिकशास्त्र के विभागाध्यक्ष व इस कार्यक्रम के सहसंयोजक प्रोफेसर श्री धीवर ने भौतिकशास्त्र विषय को लेकर कैरियर बनाने के बारे में विस्तार से बताया। हिन्दी के सहायक प्राध्यापक सीमारानी प्रधान ने हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला। रसायनशास्त्र के सहायक प्राध्यापक प्रोफेसर प्रदीप कन्हेर व प्रोफेसर सरस्वती सेठ ने रसायनशास्त्र के महत्व पर प्रकाश डाला। जन्तु विज्ञान के तकनीशियन जीएल चन्द्राकर ने छात्र-छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यालय की ओर से उपस्थित राजेश शर्मा ने छात्र-छात्राओं को नामांकन, परिचय पत्र, ग्रंथालय कार्ड आदि के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कन्हेर व आभार प्रदर्शन एमआर धीवर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पीजी बन्सोड़, एसआर मानकर, अंजन भोई, रमेश बंजारे, शेषनारायण साहू, शशांक दानी, हरिचंद निषाद, रोहित कन्नौजे, संदीप यादव आदि उपस्थित रहे।

प्रोजेक्टर में दी छात्रों को ग्रुप डिस्कशन की जानकारी

पीजी कॉलेज में उन्मुखीकरण कार्यक्रम

■ कार्यालय द्वारा | महासमुंद.

शा. महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में विज्ञान संकाय द्वारा बीएस-सी प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए

उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विषयों के प्राध्यापाकों व प्रयोगशाला कर्मचारियों का छात्र-छात्राओं से परिचय कराना एवं महाविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रम व सुविधाओं की जानकारी देना था. कार्यक्रमा का शुभारंभ नवनियुक्त प्राचार्य डॉ. ज्योति पांडेय द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया. एवं छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई. प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान का अर्थ विशिष्ट ज्ञान होता है, सभी विषयों का महत्व समान है. हमें उसी विषय का चयन करना चाहिए. जिसमें रूचि हो. प्राध्यापक डॉ. जया ठाकुर ने बच्चों को सफलता के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम की संयोजक व विज्ञान संकाय प्रभारी प्रो. करूणा दुबे ने कहा कि विद्यार्थी जीवन, जीवन निर्माण का समय है. विद्यार्थी समय के महत्व को समझते हुए प्राध्यापक एवं अभिभावक के मार्गदर्शन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु परिश्रम करें. डॉ. ईपी चेलक ने प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को ग्रुप डिस्कशन के बारे में विस्तार से बताया. प्रो. एमआर धीवर ने भौतिकशास्त्र विषय लेकर कैरियर बनाने के बारे में विस्तार से बताया. प्रो. सीमारानी प्रधान ने हिन्दी विषय के महत्व पर प्रकाश डाला. प्रो. प्रदीप कन्हेर व प्रो. सरस्वती सेठ ने रसायन विषय के महत्व पर प्रकाश डाला. जीएल चंद्राकर ने भी आने विचार रखे. कार्यालय की ओर से राजेश शर्मा ने छात्र-छात्राओं को नामांकन, परिचय पत्र, ग्रंथालय कार्ड आदि के बारे में बताया. संचालन प्रो. एमआर धीवर ने किया. कार्यक्रम में पीजी बंसोड़, एसआर मानकर, अंजन भोई, रमेश बंजारे, शेषनारायण साहू, शशांक दानी, हरिचंद निषाद, रोहित कन्नौजे व संदीप यादव उपस्थित थे. यह जानकारी पीजी कॉलेज ने विज्ञप्ति में दी.

04.09.2019

बीएससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए हुआ कार्यक्रम

उन्मुखीकरण कार्यक्रम में छात्रों को सफलता के लिए किया प्रेरित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के विवेकानंद सभागार में विज्ञान संकाय द्वारा बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों व प्रयोगशाला कर्मचारियों का छात्र-छात्राओं से परिचय कराना एवं महाविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रम व सुविधाओं का जानकारी देना था। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के नवनियुक्त प्राचार्य डॉ.ज्योति पांडेय द्वारा विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा में

उन्मुखीकरण कार्यक्रम.. कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथि।

माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की गई। महाविद्यालय प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान का अर्थ विशिष्ट ज्ञान होता है, सभी विषयों का महत्व समान है। हमें उसी विषय का चयन करना चाहिए, जिसमें रूचि हो। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जया ठाकुर ने छात्रों को सफलता के लिए प्रेरित किया। संयोजक व विज्ञान संकाय प्रभारी प्रो. करूणा दुबे ने कहा कि विद्यार्थी जीवन, जीवन निर्माण का समय है। प्राध्यापक एवं अभिभावक के मार्गदर्शन में अपने लक्ष्य क[...] करने कठिन परिश्रम [...] विभागाध्यक्ष डॉ. ईपी चे[...] छात्र-छात्राओं को ग्रुप डिस्[...] बारे में विस्तार से बताया।

प्राध्यापकों ने किया विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

भौतिक शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. एमआर धीवर ने भौतिकशास्त्र विषय लेकर करियर बनाने के बारे में विस्तार से बताया। हिंदी विषय के सहायक प्राध्यापक प्रो. सीमारानी प्रधान नें हिन्दी विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। रसायन शास्त्र के सहायक प्राध्यापक प्रो. प्रदीप कन्हेर व प्रो. सरस्वती सेठ ने रसायन विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। जन्तु विज्ञान के तकनीशियन जीएल चंद्राकर ने छात्र-छात्राओं उज्जवल भविष्य की कामना [...] राजेश शर्मा ने नामांकन, परि[...] पत्र, ग्रंथालय कार्ड आदि के बा[...] विस्तार से बताया। कार्यक्रम [...] संचालन प्रो. प्रदीप कन्हेर व अ[...] प्रदर्शन प्रो. एमआर धीवर द्वारा [...] गया। कार्यक्रम में पीजी ब[...] एसआर मानकर, अंजन भोई, [...] शेषनारायण साहू, शशांक, ह[...] निषाद, रोहित, संदीप उपस्थि[...]

उन्मुखी करण कार्यक्रम 15.12.2021

सत्र 2021-22.

कार्यक्रम

अध्ययन के समय वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने किया प्रेरित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में बुधवार को विज्ञान संकाय में बीएससी प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया! कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

सर्वप्रथम विज्ञान संकाय प्रभारी एवं रसायन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. करूणा दुबे ने उन्मुखीकरण कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम बीएससी प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम विभिन्न विभागों में कार्यरत प्राध्यापक से परिचय, व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं जैसे एनएसएस, एनसीसी रेड क्रॉस और निःशुल्क पीएससी कोचिंग की सुविधा, अनुशासन बनाए रखने के लिए महाविद्यालय द्वारा गठित विभिन्न समितियों की जानकारी, कन्या छात्रावास की सुविधा, कम्प्यूटर लैब आदि की जानकारी से विद्यार्थियों को अवगत कराना है। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ईपी चेलक ने विद्यार्थियों को अध्ययन करते समय वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की बात कही। प्रो. मनीराम धीवर ने कहा कि साधारण विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत ईमानदारी एवं लगन से उच्च पद हासिल कर सकते हैं। कला संकाय प्रभारी और हिंदी विभागाध्यक्ष ड अनुसुया अग्रवाल ने सफलता लिए कठोर परिश्रम अनुशासन ए दिनचर्या को अनिवार्य बताया।

वल्लभाचार्य कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन।

हिंदी के महत्व पर डाला प्रकाश

डॉ. दुर्गावती भारतीय महिला सशक्तिकरण समिति के संयोजक ने अपना परिचय देते हुए विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करने की बात कही प्रो. सीमा रानी प्रधान ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अजय राजा ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रेरणा लेनी चाहिए एवं अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहिए। प्रो. राजेश्वरी सोनी ने कहा कि कड़ी मेहनत करने पर किसी भी लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। कार्यालय प्रमुख एसआर मन्नाडे एवं विष्णु चंद्राकर ने कार्यालय एवं छात्रावास संबंधी जानकारी दी। कपिल पेंदरिया ने योग विभाग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथि व्याख्याताओं ने अपना परिचय देते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। संचालन प्रदीप कर ने सहायक अध्यापक रसायन शास्त्र ने किया।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम सत्र 2022-23

12.09.2022

हरिभूमि

रायपुर - महासमुंद भूमि

14 Sep 2022

महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्रों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य डॉ अनुसुईया अग्रवाल डी.लिट् के मार्गदर्शन में एवं विज्ञान संकाय प्रो करुणा दुबे के संयोजन में बीएससी प्रथम वर्ष एवं बीसीए प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति एमएससी प्राणी शास्त्र की छात्रा भाविका निषाद एवं समूह द्वारा प्रस्तुति की गई। तत्पश्चात छत्तीसगढ़ राजकीय गीत की प्रस्तुति भानेश्वरी साहू द्वारा की गई।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम विज्ञान संकाय प्रभारी एवं रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो करुणा दुबे ने उन्मुखीकरण कार्यक्रम के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम, विज्ञान के विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों से परिचय, व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं जैसे एनएसएस, एनसीसी, रेडक्रॉस, निःशुल्क पीएससी कोचिंग की सुविधा, महाविद्यालय के विकास एवं व्यवस्थित संचालन के लिए गठित विभिन्न समितियों की जानकारी महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधन कन्या छात्रावास, ग्रंथालय की सुविधा, कंप्यूटर लैब आदि की जानकारी से विद्यार्थियों को अवगत कराना है। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ अनुसुईया अग्रवाल ने अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ज्ञान को अद्यतन रखने की बात कही। और कहा कि आप सभी महाविद्यालय के गौरव और स्वयं के विकास के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। डॉ ई पी चेलक विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सभी बच्चों को संविधान की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रो मनीराम धीवर विभागाध्यक्ष भौतिक शास्त्र ने भौतिक शास्त्र की भाषा में बताया कि पलायन वेग से लक्ष्य तक पहुंचने के लिए सही दिशा निर्देश का होना आवश्यक है। लेफ्टिनेंट प्रदीप कन्हेर एनसीसी अधिकारी ने एनसीसी के बारे में बच्चों को देश सेवा के लिए तत्पर रहने और आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी। प्रो प्रियंका चक्रधारी विभागाध्यक्ष प्राणी शास्त्र ने बच्चों को उनके बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रो दीप्ति पटेल ने बताया कि बच्चों को उनके विषय में रुचि का होना अत्यंत आवश्यक है। डॉ रीता पांडेय कला संकाय प्रभारी एवं धरोहर झरोखा की संरक्षिका ने महाविद्यालय में संचालित निःशुल्क पीएससी कोचिंग एवं एलुमनी समिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रो अजय कुमार राजा वाणिज्य संकायाध्यक्ष ने एनएसएस के माध्यम से समाज सेवा एवं मानव जीवन की सुरक्षा में योगदान के लिए रक्तदान के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। डॉ मालती तिवारी जिला संगठक एवं महिला उत्पीड़न निवारण समिति की संयोजक ने व्यक्तित्व विकास के बारे में बताया एवं महिला उत्पीड़न समिति के सदस्यों से परिचय कराते हुए विद्यार्थियों से आह्वान किया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर निराकरण के लिए समिति के सदस्य से संपर्क कर सकते हैं। डॉ नीलम अग्रवाल नैक प्रभारी ने नैक से संबंधित जानकारी देते हुए यह बताया कि नैक मूल्यांकन के समय विद्यार्थियों का पक्ष सबसे महत्वपूर्ण है। अतः अध्ययन अध्यापन के साथ महाविद्यालय में संपादित विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की बात कही। डॉ दुर्गावती भरतीय, प्रभारी जनभागीदारी समिति की उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रो सी खलखो ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए निरंतर आगे बढ़ने की बात कही। प्रो सीमारानी प्रधान ने अपने उद्बोधन में स्थानीय संस्कृति भाषा के सामंजस्य, उसकी विशेषता को मंच प्रदान करना, साथ ही हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो अजय कुमार देवांगन ने कंप्यूटर का वर्तमान समय में महत्व को बताया। प्रो जगदीश सत्यम ने बच्चों को उनके कैरियर को सही तरीके से चुनकर आगे बढ़ने की जानकारी दी। एसआर रात्रे ग्रंथपाल ने ग्रंथालय के संबंध में जानकारी दी। दिलीप लहरे क्रीड़ा अधिकारी ने बच्चों को खेल के महत्व एवं उसके लाभ पर प्रकाश डाला। सभी को शारीरिक गतिविधि करने के लिए प्रेरित किया। कार्यालय प्रमुख राजेश शर्मा ने प्रवेश एवं नामांकन से सम्बंधित जानकारी दी। छात्रावास अधीक्षक शशि कुमार सोनी ने कन्या छात्रावास के बारे में बताया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय से एसआर मानकर प्रयोगशाला तकनीशियन, अतिथि सहायक प्राध्यापक नम्रता तंबोली, डाकेश्वरी साहू, उर्वशी चंद्राकर, गौरव सोनी, कविता भावलकर, अंजन भोई, रेणुका साहू, शेषनारायण साहू प्रयोगशाला परिचारक, सोहद्रा यादव, शशांक दानी, रोहित कन्नौजे, चमन साहू, हरिचंद निषाद, संदीप यादव सम्मिलित रहे। संचालन प्रो प्रदीप कन्हेर सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र एवं आभार प्रदर्शन प्रो सरस्वती सेठ सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र ने किया।

हरिभूमि 30.08.2023

उन्मुखीकरण कार्यक्रम
सत्र 2023-24

महाविद्यालय में विज्ञान संकाय के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए हुआ उन्मुखीकरण कार्यक्रम

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 29 अगस्त को विज्ञान और कम्प्यूटर संकाय के संयुक्त तत्वावधान में बीएससी, बीसीए, डीसीए तथा पीजीडीसीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम हुआ। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अनुसूइया अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन तथा विज्ञान संकाय प्रभारी प्रो. करुणा दुबे व कम्प्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय देवांगन के संयोजन में हुआ। छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत की प्रस्तुति की गई। सर्वप्रथम विज्ञान संकाय प्रभारी एवं रसायन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. करुणा दुबे ने अपना विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि उन्मुखीकरण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को महाविद्यालय की मूलभूत सुविधाओं के बारे में परिचित कराना है। उन्होंने आगे कहा कि कॉलेज में आने के बाद छात्रों को नियम और अनुशासन में रहना चाहिए। एक नियत समय-सारिणी बनाकर अध्ययनरत रहने की बात कही। प्राचार्य डॉ. अनुसूइया अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालय में छात्रों को नियम और अनुशासन में रहते हुए अध्ययन करना चाहिए। छात्रों को जीवन में कुछ करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। संघर्ष जीवन का एक पड़ाव है तथा यह प्रकृति का एक नियम है। संघर्ष का सामना कर बच्चे अपने जीवन में सफल हो सकते हैं। कार्यक्रम के सह-संयोजक तथा कम्प्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय देवांगन ने बताया कि आज के दौर में कम्प्यूटर का ज्ञान अतिआवश्यक है। हर क्षेत्र में कम्प्यूटर उपयोगी है। उन्होंने कम्प्यूटर की महत्ता बताते हुए अधिक से अधिक छात्रों को कम्प्यूटर से सम्बन्धित कोर्स में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की जिला संगठक तथा राजनीतिशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मालती तिवारी ने महिला उत्पीड़न समिति एवं शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं जनभागीदारी प्रभारी डॉ. दुर्गावती भारतीय ने कहा कि विज्ञान के विद्यार्थी जिज्ञासु प्रवृति के होते हैं। उन्होंने जनभागीदारी समिति की उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी बच्चों को प्रदान की।

अंग्रेजी विभाग से प्रो आशुतोष पुरी गोस्वामी ने कहा कि अंग्रेजी विषय की अपने आप में एक अलग ही उपयोगिता है। अंग्रेजी का चलन दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहा है। उन्होंने बच्चों को कैरियर के प्रति जागरूक होने के लिए कहा। एनसीसी अधिकारी प्रो. प्रदीप कन्हेर ने एनसीसी की महत्ता के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को एनसीसी में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। भौतिकशास्त्र विभाग से प्रो. जगदीश सत्यम ने अपने विभाग के बारे में विद्यार्थियों को परिचय कराया। वनस्पतिशास्त्र विभाग से प्रो. अंजन भोई ने विभागीय परिचय देते हुए पर्यावरण संरक्षण में पेड़-पौधों के महत्व के बारे में जानकारी दी। गणित विभाग से दीप्ति पटेल ने गणित विषय के बारे में परिचय कराया। कार्यालय प्रमुख मनोज शर्मा ने छात्रों को कार्यालयीन कार्य से अवगत कराया। क्रीडा अधिकारी दिलीप लहरे ने कहा कि छात्र जीवन में विद्यार्थियों को खेल के लिए अवश्य समय निकालना चाहिए। साथ ही उन्होंने आज हुए विभिन्न खेल स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले टीमों और प्रतिभागियों के नाम की घोषणा की। जिन्हें प्राचार्य डॉ. अनुसूइया अग्रवाल तथा मंचस्थ अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय से प्रो. सरस्वती सेठ सहायक प्राध्यापक रसायनशास्त्र, प्रो. गौरव कुमार सोनी (गणित विभाग), टीकम साहू, पूजा यादव, नम्रता तम्बोली, रेशमा वर्मा, जीवन लाल साहू, एसआर मानकर, पूर्णिमा साहू, हरि चंद निषाद, कोमल साहू, शशांक दानी, अनुराग सोनी एवं संदीप यादव आदि उपस्थित थे।